



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 08 सतिंबर, 2021

आईएनएस 'हंस' को 'प्रेसीडेंट कलर अवार्ड'

भारतीय सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर और भारतीय राष्ट्रपति राम नाथ कोवदि ने हाल ही में आईएनएस 'हंस' (गोवा स्थिति भारतीय नेवल एविएशन) को 'प्रेसीडेंट कलर अवार्ड' या ध्वज प्रदान किया है। शांति और युद्ध दोनों स्थितियों में राष्ट्र को दी गई असाधारण सेवा के सम्मान में एक सैन्य इकाई को राष्ट्रपति द्वारा यह अवार्ड प्रदान किया जाता है। भारतीय नौसेना 27 मई, 1951 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद से ध्वज प्राप्त करने वाली पहली भारतीय सशस्त्र सेना थी। इसके बाद नौसेना में राष्ट्रपति का ध्वज प्राप्त करने वालों में दक्षिणी नौसेना कमान, पूर्वी नौसेना कमान, पश्चिमी नौसेना कमान, पूर्वी बेड़ा, पश्चिमी बेड़ा, पनडुबबी शाखा, आईएनएस शशिजी और भारतीय नौसेना अकादमी शामिल हैं। नेवल एविएशन ने पछिले सात दशकों में राष्ट्र के लिये उल्लेखनीय और वीरतापूर्ण सेवा के साथ स्वयं को प्रतिष्ठित किया है। यह शाखा 13 जनवरी, 1951 को पहले 'सी-लैंड' विमान के अधिग्रहण के साथ अस्तित्व में आई और 11 मई, 1953 को कोच्चि में 'आईएनएस गरुड' को इसमें शामिल किया गया। वर्तमान में 'नेवल एविएशन' नौ 'वायु स्टेशनों' और तीन 'नौसेना वायु एन्क्लेव' के साथ भारतीय समुद्र तट, खासतौर पर अंडमान व निकोबार द्वीप समूह की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करता है।

वशिव फजियिथेरेपी दविस

प्रतिवर्ष 08 सतिंबर को वैश्विक स्तर पर 'वशिव फजियिथेरेपी दविस' का आयोजन किया जाता है। यह दविस लोगों को फिट और स्वस्थ बनाने में फजियिथेरेपिस्ट की महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। इस वर्ष 'वशिव फजियिथेरेपी दविस' कोविड-19 संक्रमण से रिकवरी और इससे प्रभावित लोगों के प्रबंधन तथा उपचार में फजियिथेरेपी की भूमिका पर केंद्रित है। 08 सतिंबर को वैश्विक स्तर पर 'वशिव फजियिथेरेपी दविस' के रूप में वर्ष 1996 में नामित किया गया था। इस दविस का आयोजन फजियिथेरेपिस्ट द्वारा रोगियों के लिये किये जाने वाले कार्यों को मान्यता देने के साथ-साथ फजियिथेरेपी के क्षेत्र में नवाचार को भी प्रोत्साहित करता है। फजियिथेरेपी मेडिकल साइंस की ऐसी प्रणाली है, जिसकी सहायता से जटिल रोगों का इलाज आसानी से किया जाता है। फजियिथेरेपी किसी भी प्रकार की पुरानी चोट से निपटने और भविष्य में चोट को रोकने में सक्षम है। फजियिथेरेपी चोट की संभावना को कम करते हुए शरीर को अधिक मजबूत एवं लचीला बनाने में मदद कर सकती है।

वाराणसी-चुनार करूज सेवा

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने राज्य में जल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये 'वाराणसी-चुनार करूज सेवा' की शुरुआत की है। यह करूज सेवा गंगा नदी में वाराणसी से मरिजापुर के ऐतिहासिक 'चुनार कलि' तक संचालित होगी। राज्य सरकार इस यात्रा को प्रयागराज में संगम तक बढ़ाने की योजना बना रही है। चुनार कलि को चंद्रकांता चुनारगढ़ और चरणाद्री के नाम से भी जाना जाता है। यह कलि गंगा नदी के तट के पास 'कैमूर पहाड़ियों' पर स्थित है। इस कलि का इतिहास तकरीबन 56 ईसा पूर्व का है, जब राजा विक्रमादित्य 'उज्जैन' के शासक थे। इसके पश्चात् यह मुगलों, सूरी, अवध के नवाबों और अंत में अंगरेजों के नियंत्रण में आ गया। वर्ष 1791 में यूरोपीय और भारतीय बटालियनों ने कलि को अपना मुख्यालय बनाया। वर्ष 1815 के बाद से कलि को कैदियों के लिये नविस स्थान के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा। वर्ष 1849 में महाराजा रणजीत संहि की पत्नी 'रानी जीद कौर' को भी यहाँ कैद किया गया था।

ग्रीस में जलवायु संकट हेतु वशिष्ट मंत्रालय

हाल ही में ग्रीस सरकार ने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को दूर करने के लिये एक नए मंत्रालय का गठन किया है और यूरोपीय संघ के पूर्व आयुक्त 'क्रिस्टोस स्टाइलियानाइडिस' को मंत्रालय का प्रमुख नामित किया है। 'क्रिस्टोस टायलियानाइडिस' वर्ष 2014 से वर्ष 2019 के बीच मानवीय सहायता और संकट प्रबंधन के लिये यूरोपीय संघ आयुक्त के रूप में कार्य कर चुके हैं। यह नियुक्ति ऐसे समय में की गई है, जब ग्रीस में भीषण आग लगी हुई है, जिसने अब तक इविया द्वीप और दक्षिणी ग्रीस में 1,000 वर्ग किलोमीटर (385 वर्ग मील) से अधिक वन क्षेत्र को जला दिया है। ग्रीस द्वारा गठित 'मनिसिस्ट्री ऑफ क्लाइमेट क्राइसिस एंड सविलि प्रोटेक्शन' का प्राथमिक दायित्व जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप बढ़ते तापमान से निपटने और अग्निशामक एवं आपदा राहत कार्यों को बढ़ावा देने हेतु नीतियों का निर्माण करना है।

